Twelve
CORE Training

पाठ 8-0
मसीह के अनुसरण के विषय में बच्चों से बातें करना

बाइबल में सुसमाचार वार्तालाप

इन मुठभेड़ों से सुसमाचार बाँटने के बारे में हम क्या सीख सकते हैं?

यूहन्ना 3: 1-17
प्रेरितों के काम 8: 26-38
यूहन्ना 4: 7-14, 3 9
मरकुस 10: 17-22

प्रश्न और संवाद

जब हम बच्चों के साथ यीशु की सच्चाई को बाँटते हैं, तो हमें उन्हें बातचीत में शामिल करना चाहिए। प्रश्नों का उपयोग करके हम बच्चों को यीशु के बारे में बातचीत में शामिल कर सकते हैं।

पूछे जाने वाले सवाल:

सुसमाचार रंगों को बाँटते वक्त हम बच्चों से क्या प्रश्न पूछ सकते हैं?

हरा:

काला:

लाल:

सफ़ेद:

पीला /स्वर्ण:

जब कि आप बच्चों से पूछने के लिए प्रश्नों के बारे में सोचते हैं, तब याद रखें:

- ऐसे सवालों का उपयोग करें, जो उनकी जिज्ञासा को चिंगारी दें और बच्चों को सोचने के लिए उत्साहित करें।
- उन प्रश्नों को पूछें, जिनके लिए एक शब्द के उत्तर से अधिक शब्दों की ज़रूरत होती है।
- पूछे गए सवाल बच्चों के लिए असुविधाजनक नहीं होना चाहिए।

सवालों का जवाब देना

जब बच्चें हमसे यीशु और सुसमाचार के बारे में सवाल पूछते हैं, तब हम उन्हें एक प्रश्न पूछकर जवाब दे सकते हैं। किसी सवाल को पूछकर प्रश्नों का उत्तर देने से बच्चों को यीशु के साथ अपने रिश्ते के बारे में अधिक गहराई से समझने में मदद् मिलती है।

एक बच्चा कब तैयार होता है?

किस उम्र में एक बच्चा मसीह को ग्रहण कर सकता है?

आप कैसे बता सकते हैं कि कोई बच्चा मसीह के पीछे चलने का फैसला लेने के लिए कब तैयार है?

- प्रश्न पूछकर
- चेहरे के भाव से
- भावनात्मक व्यवहार द्वारा
- अन्य:

यीशु का अनुसरण करने के लिए बच्चों को आमंत्रित करना

यीशु के अनुसरण करने के बारे में बच्चों के साथ बात करते समय हमें किन दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए-?

एक सच्चे, स्थायी और व्यक्तिगत निर्णय लेने के लिए, बच्चों को क्या करना चाहिए ...

जानना?

महसूस करना?

अमल करना?

यदि कोई बच्चा मसीह को ग्रहण करने के लिए तैयार नहीं है तो क्या होगा? आपको क्या करना चाहिये?

आपको क्या नहीं करना चाहिए?

हम कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि मसीह का चुनाव करने के लिए हम बच्चों को उनकी आध्यात्मिक यात्रा में मजबूर नहीं कर रहे हैं या उन्हें बहका नहीं रहे हैं?

यदि कोई बच्चा मसीह को ग्रहण करने के लिए तैयार है तो क्या होगा? हम एक बच्चे के साथ कैसे प्रार्थना करते हैं?

प्रार्थना करने के बाद, हमें उनको मसीह के पीछे चलने के निर्णय लेने के लिए उनके साथ आनंद मनाना चाहिए और निम्नलिखित आयतों के साथ उनके निर्णय को मजबूत करना चाहिए। इस बात पर फिर से जोर देते हुए कि उन्होंने यीशु के साथ एक जीवन-भर के संबंध को शुरू किया है।

1 यूहन्ना 1: 9
यूहन्ना 10: 27-29
रोमियो 8: 35-39
1 यूहन्ना 5: 11-13

एक बच्चे के साथ बात करने का अभ्यास करना

मसीह के अनुसरण करने के बारे में सवाल पूछने वाले बच्चें के साथ बातचीत की एक भूमिका-खेल खेलें। नीचे दिए गये एक या अधिक प्रश्नों के साथ शुरू करें:

आप मुझसे बात करने के लिए क्यों आए है?
क्या आपने कभी यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया है?
आपको यीशु की ज़रूरत क्यों है?
आप यीशु के बारे में क्या विश्वास करते हैं और उसने क्रूस पर क्या किया?
आप यीशु का अनुसरण क्यों करना चाहते हैं?
क्या आप अभी यीशु को ग्रहण करना चाहते हैं? (एक साथ प्रार्थना करें)

समेटें

प्रार्थना में लगे रहो, और धन्यवाद के साथ उस में जागृत रहो। और इस के साथ ही साथ हमारे लिये भी प्रार्थना करते रहो, कि परमेश्वर हमारे लिये वचन सुनाने का ऐसा द्वार खोल दे, कि हम मसीह के उस भेद का वर्णन कर सकें जिस के कारण मैं कैद में हूं। और उसे ऐसा प्रगट करूं, जैसा मुझे करना उचित है। अवसर को बहुमूल्य समझ कर बाहर वालों के साथ बुद्धिमानी से बर्ताव करो। तुम्हारा वचन सदा अनुग्रह सहित और सलोना हो, कि तुम्हें हर मनुष्य को उचित रीति से उत्तर देना आ जाए।
कुलुस्सियों 4:2-6